आकाशवाणी
क्षेत्रीय समाचार
देहरादून (उत्तराखण्ड)
बुधवार 16.07.2025
समय 1305

मुख्य समाचार :–

- मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा – हरेला पर्व उत्तराखंड की माटी से जुड़ा भाव और संस्कृति है, जो हमें प्रकृति से प्रेम करना सिखाता है।
- प्रदेश के विभिन्न जिलों में सुख, सम्रद्धि और हरियाली का प्रतीक हरेला पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है।
- त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा और प्रांतीय सिविल सेवा सहित 54 वरिष्ठ अधिकारियों को प्रेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया।
- भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने अभिभावकों से सात वर्ष और उससे अधिक आयु के बच्चों का बायोमेट्रिक अद्यतन कराने को कहा।

हरेला मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि हरेला पर्व उत्तराखंड की माटी से जुड़ा भाव और संस्कृति है, जो हमें प्रकृति से प्रेम करना सिखाता है। यह पर्व हमारे भीतर हरियाली, जीवन और सृजन का संदेश समेटे हुए है।

मुख्यमंत्री आज देहरादून में आयोजित ''हरेला का त्यौहार मनाओ, धरती माँ का ऋण चुकाओ'' आओ मनाएं हरेला कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति में प्रकृति की सदैव माँ के रूप में पूजा की परंपरा रही है। उसका सजीव प्रतीक हमारा लोकपर्व हरेला है, जो प्राकृतिक धरोहरों के संरक्षण और संवर्द्धन का संदेश देता है। उन्होंने कहा कि पौधारोपण एक आंकड़ा नहीं, बल्कि हमारे सामूहिक प्रयासों का भी जीवंत उदाहरण है।

हरेला राजभवन

राजभवन में आज 'हरेला पर्व पारंपरिक हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल गुरमीत सिंह ने हरेला पर्व के अवसर पर राजभवन स्थित राजप्रज्ञेश्वर मंदिर में पूजा–अर्चना कर प्रदेश की सुख–समृद्धि और खुशहाली के लिए कामना की। इसके बाद राज्यपाल सहित प्रथम महिला गुरमीत कौर और राजभवन के अधिकारियों व कर्मचारियों ने राजभवन परिसर में पौधरोपण किया। इस अवसर पर छोलिया नर्तक दल ने पारंपरिक वाद्ययंत्रों के साथ विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किए। वहीं महिलाओं ने भी पारंपरिक वेशभूषा में हरेला के मांगलिक गीत गाए। राज्यपाल ने कहा कि उत्तराखण्ड की जीवनशैली में रचा–बसा हरेला पर्व हमारी सांस्कृतिक विरासत, कृषि परंपरा और प्रकृति से जुड़ाव का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि प्रकृति का संरक्षण केवल आज की आवश्यकता नहीं, बल्कि भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारा दायित्व है। इसलिए हम सभी को मिलकर प्रकृति के साथ संतुलन बनाए रखना होगा।

हरेला कृशि मंत्री

कृषि मंत्री गणेश जोशी ने लोकपर्व हरेला के अवसर पर आज शासकीय आवास पर अपनी धर्मपत्नी निर्मला जोशी के साथ फलदार वृक्ष का रोपण किया। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशवासियों को हरेला पर्व की हार्दिक बधाई व शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि हरेला उत्तराखंड की सांस्कृतिक विरासत और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ा पर्व है, जो हमें हरियाली, पशुपालन और प्रकृति के साथ सामंजस्य का संदेश देता है। इस अवसर पर कृषि मंत्री ने लोगों का आह्वान किया कि "एक वृक्ष लगाना दस बच्चों के समान है", इस भावना के साथ सभी को पर्यावरण संरक्षण में भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेशभर में विभिन्न संस्थाओं, स्वयंसेवी संगठनों और आम जनमानस की सहभागिता से फलदार पौधों का रोपण किया जा रहा है।

हरेला चम्पावत

प्रदेश के विभिन्न जिलों में सुख, समृद्धि और हरियाली का प्रतीक हरेला पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया जा रहा है। इस अवसर पर जगह–जगह पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया जा रहा है। इसी कड़ी में चम्पावत जिले में विभागीय परिसरों, वन पंचायतों, सार्वजनिक स्थानों, एसएसबी, आईटीबीपी, पुलिस लाइन और स्कूल–कॉलेजों के परिसरों पर वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। वहीं, सुबह से ही लोगों ने हरेले को काटकर मंदिरों में पूजा–अर्चना के साथ शिरोधारण कर मंगल जीवन की कामना की। हरेला पर्व के अवसर पर जिला मुख्यालय चम्पावत व लधौली में हरेला मेले का का आयोजन किया जा रहा है। जिला मुख्यालय के पुनेठी वन पंचायत में जिलाधिकारी मनीष कुमार सहित जिला स्तरीय अधिकारियों ने पौधरोपण किया।

हरेला अल्मोड़ा

हरेला पर्व पर अल्मोड़ा जिले में लोगों ने घरों में हरेले का पूजन किया। साथ ही प्रसाद के रूप में पकवान बनाकर मंदिरों में पूजन किया। घर के बुजुर्गों ने अपने स्वजनों के सर में हरेला रख कर आशीर्वचन दिया। हरेले पर पौधा रोपण भी किया गया। एक पेड़ मां के नाम पर कई स्थानों पर पौधारोपण किया गया। जागेश्वर में ढोल नगाड़ों के साथ हरेला पूजन किया गया।

राज्य निर्वाचन आयोग

राज्य निर्वाचन आयोग की ओर से आगामी त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को निष्पक्ष व शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए भारतीय प्रशासनिक सेवा और प्रांतीय सिविल सेवा सहित अन्य विभागों के 54 वरिष्ठ अधिकारियों को प्रेक्षक के रूप में नियुक्त किया गया है। देहरादून में राज्य निर्वाचन आयुक्त सुशील कुमार की अध्यक्षता में सभी नियुक्त प्रेक्षकों के साथ बैठक और प्रशिक्षण का आयोजन किया गया। बैठक में प्रेक्षकों को संवैधानिक प्रावधानों, उत्तराखंड पंचायती राज अधिनियम–2016 और लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम–1951 के विभिन्न प्राविधानों पर विस्तृत प्रशिक्षण दिया गया। विशेष रूप से मानसून के दृष्टिगत आपदा प्रबंधन और सुरक्षित चुनाव प्रबंधन पर जोर दिया गया, जिसमें मतदान दलों व मतदाताओं की

सुरक्षा, संचार योजना और सुरक्षित मार्गों की पुष्टि सुनिश्चित करना शामिल हैं। इस दौरान प्रेक्षकों को निर्देशित किया गया कि वे पहले चरण के मतदान 24 जुलाई से 5 दिन पहले और दूसरे चरण के मतदान 28 जुलाई से पहले अपने आवंटित मुख्यालयों पर अनिवार्य रूप से उपस्थित हो जाएं। मतगणना का कार्य 31 जुलाई को किया जाएगा। आयुक्त ने सभी प्रेक्षकों से अपने दायित्वों का निर्भीकता और निष्पक्षता से निर्वहन करने का आग्रह किया।

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण

भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण ने अभिवावकों से सात वर्ष की आयु से अधिक के बच्चों का अनिवार्य रूप से बायोमेट्रिक अद्यतन कराने को कहा है। एक रिपोर्ट–

मुख्य सचिव

ऊधमसिंह नगर जिले के रुद्रपुर में आगामी 19 जुलाई को गृह मंत्री के प्रस्तावित भ्रमण कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में मुख्य सचिव आनंद बर्धन की अध्यक्षता में सचिवालय में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। मुख्य सचिव ने संबंधित अधिकारियों को सभी तैयारियों और व्यवस्थाओं को समय से पूरा करने के निर्देश दिए।

बैठक चमोली

चमोली के जिलाधिकारी संदीप तिवारी की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में राष्ट्रीय राजमार्ग, बीआरओ और रेलवे विभाग से संबंधित वन भूमि हस्तांतरण प्रकरणों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लंबित प्रकरणों की स्थिति और उनके निस्तारण की प्रगति पर विस्तृत चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने जानकारी दी कि वर्तमान में आठ वन भूमि हस्तांतरण प्रकरण लंबित हैं। इनमें बीआरओ के 3 और रेल विभाग के 5 मामले सैद्धांतिक स्वीकृति के लिए लंबित है। जिलाधिकारी ने जोशीमठ के उप जिलाधिकारी को निर्देशित किया कि बीआरओ अधिकारियों के साथ संयुक्त जांच कर लंबित मामलों में त्वरित कार्यवाही सुनिश्चित करें, ताकि इन परियोजनाओं को अनावश्यक विलंब से बचाया जा सके। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को इस प्रकरण में आवश्यक समन्वय स्थापित करते हुए भूमि हस्तांतरण की प्रक्रिया शीघ्र पूरा करने को कहा।

स्वास्थ्य मंत्रालय खंडन

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने मीडिया की उन खबरों का खंडन किया है कि मंत्रालय ने समोसा, जलेबी और लड्डू जैसे खाद्य पदार्थों पर स्वास्थ्य संबंधी चेतावनी का लेबल लगाए जाने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने कहा कि मीडिया में आ रही इस तरह की खबरें पूरी तरह बेबुनियाद और भ्रामक हैं। मंत्रालय ने कहा कि कार्यस्थलों पर खाद्य पदार्थों का स्वस्थ विकल्प अपनाने के बारे में अलग से परामर्श जारी किया गया था, जिसमें वसा और अत्यधिक चीनी से होने वाले नुकसान के प्रति जागरुकता लाने के लिए कैन्टीन,

कैफेटेरिया और बैठक कक्ष में बोर्ड लगाने को कहा गया था। इसका उद्देश्य देश में मोटापे की बढ़ती समस्या के प्रति सचेत करना था।